भारतीय समाज पर मुसलमानों का प्रभाव :-

सामाजिक प्रभाव :-

1. जाति प्रथा अधिक कठोर हो गई :- स्वयं को मुसलमानों से बचाने के लिए हिन्दुओं ने जाति नियमों का पालन कठोरता से करना शुरू कर दिया जिसके फलस्वरूप किसी व्यक्ति का एक जाति से दूसरी जाति में परिवर्तित होना लगभग असम्भव हो गया। जाति बन्धन कठोर हो गए और प्रत्येक जाति का एक सीमित दायरा हो गया।

2. भारतीय समाज में सुख और विलासता की भावना पलने लगी :- प्रारम्भ में मुस्लिम विजेताओं ने अत्यधिक कठोर जीवन व्यतीत किया और वे अत्यन्त परिश्रमी रहे, परन्तु जैसे-जैसे उनके पास दौलत और बसना आती गई वे आराम तलबी होते गए और उनमें आलस्य बढ़ता गया। धीरे-धीरे उनकी मानसिकता का हनन होता गया। शराब पीना, जुआ खेलना और सुन्दरियों की संगत में रहना उनके नित्य कर्म बन गए। इनका अनुसरण समाज के अन्य वर्गों ने भी किया और भारतीय समाज में सुख और विलासिता की भावना पलने लगी। इससे धीरे-धीरे सम्पूर्ण समाज का पतन होने लगा।

(3.) ~~ब्राह्म~~